नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

ईरान : वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहराते प्रभाव

ईरान एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रहा है. आर्थिक संकट, गिरती रियाल की कीमतें और बेरोजगारी ने जनाक्रोश को भड़का दिया है, जो अब राजनीतिक असंतोष में बदल चुका है. अयातुल्लाह अली खमेनेई के नेतृत्व वाली इस्लामी व्यवस्था के सामने खड़ी यह चुनौती सतही नहीं, बल्कि दशकों की उपेक्षित आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है. तेहरान, मशहद और इस्फहान जैसे शहरों में प्रदर्शनकारियों का उग्र होना, सुरक्षा बलों से झड़पें, इंटरनेट प्रतिबंध और वैचारिक टकराव,ये संकेत देते हैं कि देश एक संवेदनशील मोड़ पर है. सवाल उठता है कि क्या यह संकट ईरान तक सीमित रहेगा? निश्चित रूप से नहीं, ईरान वैश्विक तेल अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ है. ओपेक सदस्य के रूप में इसका उत्पादन प्रतिदिन 3.2 मिलियन बैरल से अधिक है. खाड़ी की अस्थिरता तेल आपूर्ति पर सीधा असर डालती है. यूक्रेन युद्ध और लाल सागर संकट से अभी बाजार उबर ही रहा है. यदि ईरान में अशांति लंबी चली, तो उत्पादन प्रभावित होगा, निर्यात बाधित होगा और ओपेक में तनाव बढ़ेगा. नतीजा होगा कच्चे तेल की कीमतों में उछाल !

दरअसल, ब्रेंट क्रूड हाल ही में 80 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच चुका है. जाहिर है यह वृद्धि महंगाई को भड़का सकती है. वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही धीमी विकास दर, उच्च मुद्रास्फीति और आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं से जूझ रही है. ईरान संकट परिवहन लागतें बढ़ाएगा, व्यापारिक अनिश्चितता पैदा करेगा और निवेशक विश्वास को कमजोर करेगा. यूरोप ऊर्जा संकट से त्रस्त है, जबकि एशिया के उभरते बाजार भी प्रभावित होंगे. आईएमएफ के अनुसार, वैश्विक विकास दर 2026 में 3.2 फीसदी रहने का अनुमान है. तेल मूल्य वृद्धि इसे और नीचे धकेल सकती है. भू-राजनीतिक रूप से ईरान मध्य पूर्व का केंद्रीय खिलाड़ी है. इराक, सीरिया, लेबनान और यमन में इसकी भूमिका निर्णायक है. शासन की कमजोरी से शक्ति संतुलन बिगड़ सकता है, इजरायल-ईरान तनाव भड़क सकता है और अमेरिका-रूस प्रतिस्पर्धा तेज हो सकती है. क्षेत्रीय संघर्ष का खतरा मंडरा रहा है, जो पूरे पश्चिम एशिया को अशांत कर सकता है.

भारत के लिए यह केवल कूटनीतिक चिंता नहीं, आर्थिक-रणनीतिक चुनौती है. हम 85 फीसदी तेल आयात करते हैं, जिसमें ईरान का योगदान महत्वपूर्ण रहा है. कीमत वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी, राजकोषीय घाटा गहराएगा और शिपिंग-बीमा लागतें चढ़ेंगी. ईरान की अस्थिरता से क्षेत्रीय कनेक्टिविटी प्रभावित होगी. खाड़ी में 90 लाख प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा भी जोखिम में है. ईरान का यह आंदोलन दरअसल आर्थिक असंतोष का विस्फोट है, जिसे दमन से दबाना कठिन होगा. जाहिर है भारत को ईरान के आंतरिक संघर्ष के मद्देनजर संयमित कूटनीति अपनानी चाहिए. भारत को चाहिए कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करे, रूस-खाड़ी स्रोतों पर विविधीकरण करे और शांति प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाए. दरअसल, वैश्विक स्थिरता ही हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए. बहरहाल, ईरान का यह आंदोलन केवल सामाजिक-आर्थिक असंतोष का विस्फोट नहीं, बल्कि उस गहरी बेचैनी का संकेत है, जिसे लंबे समय से नजरअंदाज किया गया. यदि वहां की मौजूदा सत्ता ने संवाद की बजाय दमन का रास्ता अपनाया, तो यह संकट न केवल ईरान, बल्कि ऊर्जा बाजार, वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता,तीनों के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है.

आस्था और शक्ति का प्रतीक सोमनाथ

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

> आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है. अनादि काल से सोमनाथ जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को जोड़ता आया है. सदियों पहले जैन परंपरा के आदरणीय मुनि कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य यहां आए थे और कहा जाता है कि प्रार्थना के बाद उन्होंने कहा, भवबीजा-रजनना रागाद्या : क्षयमुपगता यस्य. अर्थात उस परम तत्व को नमन जिसमें सांसारिक बंधनों के बीज नष्ट हो चुके हैं. जिसमें राग और सभी विकार शांत हो गए हैं. आज भी दादा सोमनाथ के दर्शन से ऐसी ही अनुभूति होती है. मन में एक ठहराव आ जाता है, आत्मा को अंदर तक कुछ स्पर्श करता है, जो अलौकिक है, अव्यक्त है.

सोमनाथ.. ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है. भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है. द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है. ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है, सौराष्ट्रे सोमनाथं च..यानि ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है. ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है.

शास्त्रों में ये भी कहा गया है- सोमलिंग नरो दृष्ट्वा सर्वपापै: प्रमुच्यते. लभते फलं मनोवाञ्छितं मृत: स्वर्गं समाश्रयेत अर्थात सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है. मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है. दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था. वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं. जनवरी 1026 में गजनी के महमूद ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था. यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था. सोमनाथ हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है. फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है. साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुन: निर्मित करने के प्रयास जारी रहे. मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका. संयोग से 2026 का यही वर्ष सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने का भी वर्ष है. 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण सम्पन्न हुआ था. तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे. 1026 में एक हजार वर्ष पहले सोमनाथ पर हुए पहले आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है. जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है. हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दु:ख है जिसकी

पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है. हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा. सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था. ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था. ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी. हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे. सोमनाथ पर हमले और फिर गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से ये कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है. ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है. 1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया. यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था. लेकिन हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया. और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुन: जीवंत किया.

महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका. सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ. उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं की भीतर सांस लेती रही. साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है, कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है. वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है. ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया.

मालवा- निमाड़ की डायरी

बाला बच्चन पर भारी पड़ता श्याम का बढ़ता कद

संजय व्यास

कभी कांग्रेस का गढ़ रहे पानसेमल विधान सभा क्षेत्र में भाजपा की पैठ बढ़ती जा रही है. खरगोन संसदीय क्षेत्र का यह हिस्सा बड़वानी जिले में आता है. 2008 में राजपुर से अलग हो अस्तित्व में आई पानसेमल विधानसभा के पहले चुनाव में कांग्रेस के कद्दावर नेता बाला बच्चन ने जीत का परचम फहराया था. 2013 के चुनाव में भाजपा ने यह सीट कब्जाई, लेकिन 2018 में कांग्रेस ने फिर वापसी की. 2023 में भाजपा के श्याम बर्डे ने जीत दर्ज की. आज क्षेत्र में उनकी पकड़ तगड़ी होती जा रही है.

पूर्व गृहमंत्री व कांग्रेस नेता बाला वच्चन की साख पर टिकी यहां की कांग्रेस राजनीति को श्याम बर्डे ने विगत 2 सालों में काफी कमजोर कर दिया है. इस दौरान उनके प्रयास से भाजपा में आए सैंकड़ों कांग्रेसियों के कारण एक तरह से पानसेमल क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की कमी का संकट कांग्रेस के सामने खड़ा हो गया है. इससे यहां के छत्रप बाला बच्चन की पार्टी में राजनीतिक छवि प्रभावित हो रही है. वैसे ही दो चुनावों में वे बमुश्किल नाममात्र के वोटों से अपनी विधायकी (राजपुर विधान सभा) बचा पाए. हाल ही में यहां पार्षद एवं सरपंच उपचुनाव में विधायक श्याम बरडे के नेतृत्व में भाजपा ने जीत हासिल की है. नगर परिषद वार्ड उपचुनाव एवं ग्रापं वांगरा सरपंच उपचुनाव दोनों ही सीटों पर भाजपा की यह जीत, विधायक श्याम बरडे की रणनीति, मजबूत संगठन क्षमता और कार्यकर्ताओं को एकजुट करने की अद्वितीय नेतृत्व शैली का परिणाम मानी जा रही है.

विधान सभा के दावेदार, पंचायत भी नहीं बचा पाए

पानसेमल विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस का गढ़ कहा जाता था, लेकिन कांग्रेस का यह गढ़ अब ध्वस्त हो गया है. पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार के सामने कांग्रेस के ही एक बागी उम्मीदवार के कारण हार देखना पड़ी. इसके चलते कांग्रेस से पराजित उम्मीदवार पूर्व विधायक चन्द्रभागा किराड़े ने कांग्रेस का दामन छोड़ भाजपा की शरण ले ली थी. यहीं से कांग्रेस कमजोर होना शुरु हुई. हाल के पंचायत उपचुनाव में विधायक श्याम बर्डे के नेतृत्व में भाजपा को मिली जीत से कार्यकर्ताओ में उत्साह है. पानसेमल नगर परिषद वार्ड क्रं. 2 का पार्षद पद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अनिल शुक्ला की पत्नी स्व सरला शुक्ला और ग्राम पंचायत वांगरा के सरपंच का पद बड़वानी जिला आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष मोंटा खेडक़र की पत्नी स्व रंजना खेडक़र के निधन से रिक्त हुआ था.

पंचायत वांगरा से मोंटा खेडक़र ने अपनी बेटी सोनिया खेडक़र को मैदान में उतारा, जहां उसे पराजय मिली. उल्लेखनीय है की मोंटा खेडक़र पानसेमल विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के सशक्त दावेदार है, उनकी दावेदारी को मजबूत करने के लिए उन्हें आदिवासी कांग्रेस का जिलाध्यक्ष बनाया पर वह अपनी पंचायत को भी कांग्रेस के लिए बचा नहीं पाए.

...इधर भाजपा के दिग्गज चित

नीमच जिले की एक पंचायत में भाजपा को एक निर्दलीय ने हराकर भारी झटका दे दिया है. जिले की जावद विधानसभा की तारापुर ग्राम पंचायत में सरपंच पद के उपचुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार नेमीचंद धाकड़ ने भाजपा समर्थित उम्मीदवार और पूर्व जिला महामंत्री सुखलाल सेन के बेटे पवन सेन को 91 मतों से हराकर सरपंच पद अपने नाम कर लिया है. नेमीचंद धाकड़ की इस जीत ने भाजपा को भौंचक्का कर दिया. यहां भाजपा की प्रतिष्ठा दांव पर थी, क्योंकि कुछ महीने पहले पंचायत के 15 पंचों ने तत्कालीन सरपंच के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था. खाली कुर्सी-भरी कुर्सी प्रक्रिया के तहत हुए मतदान में 15 में से 12 पंचों ने तत्कालीन सरपंच के खिलाफ वोटिंग करके पद को छोडऩे के लिए मजबूर कर दिया था. उपचुनाव में शर्तिया जीत का भरोसा लिए चल रहा सेन परिवार अब पवन की हार से सकते में है. सेन परिवार जिले की राजनीति में विशेष स्थान रखता है. ऐसे में यह हार उन्हें पच नहीं रही.

बेगमों के बाद अब बांग्लादेश की दिशा

विदेशमंत्री ने चीन-पाकिस्तान व बांग्लादेश के गलत रवैये की आलोचना की और कहा कि भारत की तरक्की पूरे क्षेत्र के लिए फायदेमंद है.

शेख हसीना और खालिदा जिया दोनों के राजनीतिक टकराव को 2 बेगमों की लड़ाई कहा जाता था. दोनों के बीच 30 वर्षों तक कड़ी प्रतिस्पर्धा बनी रही. हसीना अगस्त 2024 से भारत में शरण लिए हुए हैं और खालिदा जिया का इंतकाल हो चुका है. खालिदा के बेटे तारिक रहमान लंबे निर्वासन के बाद ढाका लौट आए हैं और अपनी मां की पार्टी बीएनपी की बागडोर संभाल ली है. इस समय मोहम्मद यूनुस के नेतृत्ववाली अंतरिम सरकार का रवैया भारत विरोधी और खास तौर से हिंदू विरोधी बना हुआ है. वहां लगातार हिंदुओं की हत्या हो रही है. इससे भारी दहशत बनी हुई है. जिंदा जलाने से लेकर खंभे से बांधकर पीटने की घटनाएं हो रही हैं लेकिन ऐसे जघन्य अत्याचार और उन्मादी तत्वों पर प्रशासन कोई रोक नहीं लगा रहा है. ऐसा लगता नहीं कि मोहम्मद यूनुस शीघ्र चुनाव कराने का अपना वादा निभाएंगे. वह सांप्रदायिक अत्याचार की अनदेखी कर रहे हैं. अर्थशास्त्री रह चुके यूनुस के मुंह में सत्ता का खून लग चुका है. इसलिए वह गद्दी छोड़ना नहीं चाहेंगे. बांग्लादेश में पीढ़ियों से रहने वाले लाखों हिंदुओं को जान-माल का डर सता रहा है. हत्या, लूटपाट, आगजनी का खतरा उन पर मंडरा रहा है. बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के विरोध में उठ रही तीव्र भावनाओं को देखते हुए बीसीसीआई ने शाहरुख खान की आईपीएल में खेलने वाली टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) पर दबाव डाला कि वह अपनी टीम से बांग्लादेशी खिलाड़ी मुस्तफिजुर रहमान को बाहर का रास्ता दिखा दे. आखिर यही हुआ. मुस्तफिजुर को पिछले महीने आईपीएल मिनी ऑक्शन में 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था. बांग्लादेश की समस्या को देखते हुए भारतीय विदेशमंत्री जयशंकर ने कहा कि दुर्भाग्य से हमारे पड़ोसी बुरे हैं. उनके खिलाफ भारत को अपने लोगों की सुरक्षा के लिए जो भी जरूरी हो वह करना चाहिए. यह अधिकार हमारे पास है.

निशानेबाज

समय के प्रवाह में बढ़ती जाती एज पुराने नेता भी हो जाते हैं विंटेज

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, विंटर के मौसम में देश के कुछ शहरों में विंटेज कार, मोटरसाइकिल और स्कूटर की प्रदर्शनी होती है, जिसे देखने बड़ी तादाद में लोग पहुंचते हैं. विंटेज कारों की रैली भी निकाली जाती है, जिसमें रोल्स रॉयस, फोर्ड, क्रिसलर, डिसोटो, प्लायमाउथ, मॉरिस, जर्मनी की बीटल कार, हिंदुस्तान-10, एम्बेसडर, फिएट के पुराने मॉडल के अलावा सनबीम, मैचलेस, बीएसए जैसी पुरानी मोटरसाइकिलों का प्रदर्शन किया जाता है. इसी तरह लैम्ब्रेटा, वेस्पा, फैंटाबुलस जैसे 60 साल पुराने स्कूटर अतीत की याद दिलाते हैं. हमें वेस्पा का पुराना इटालियन मॉडल देखकर ग्रेगरी पेक व आड्रे हेपबर्न की पुरानी ब्लैक एंड व्हाइट फिल्म 'रोमन हॉलिडे' की याद आ गई. इस फिल्म में नाज-नखरे के साथ पली ऐसी राजकुमारी दिखाई गई जिसने अपने महल की चारदीवारी से कभी बाहर कदम नहीं रखा था. बाहरी दुनिया देखने के लिए वह सबको चकमा देकर रात में चुपके से महल से बाहर निकल जाती है. वहां एक रिपोर्टर (ग्रेगरी पेक) से उसकी मुलाकात होती है

जो वेस्पा पर बिठाकर उसे पूरे रोम शहर में घुमाता है और वहां की रौनक दिखाता है.'

हमने कहा, 'आप विंटेज वाहनों की बजाय विंटेज नेताओं पर चर्चा कीजिए. बीजेपी के पास 98 वर्ष के लालकृष्ण आडवाणी, 92 वर्ष के मुरलीमनोहर जोशी हैं. एनसीपी के पास 85 वर्ष के शरद पवार हैं. कांग्रेस के पुराने सांसद डॉ. कर्णसिंह 92 वर्ष के हैं जो कभी कश्मीर के सदर-ए-रियासत थे. वे कश्मीर के अंतिम महाराजा हरिसिंह के पुत्र हैं. सोनिया गांधी भी 78 वर्ष की हैं. प्रधानमंत्री ने इस पर फिकरा कसा था कि एक ही परिवार के 3 लोग लोकसभा सदस्य हैं.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, फिल्मी दुनिया में भी तो वैजयंतीमाला, मालासिन्हा, वहीदा रहमान, आशा पारेख, हेलन, सायराबानो, अरुणा ईरानी जैसी विंटेज अभिनेत्रियां हैं. जब अमिताभ बच्चन का सितारा चमका था तो रोमांटिक सुपरस्टार राजेश खन्ना विंटेज हीरो बनकर रह गए थे. समय चक्र आगे बढ़ता चला जाता है और नई पीढ़ी के सामने पुराने लोग विंटेज बन जाते हैं, जिन्हें दादा-दादी या नाना-नानी कहा जाता है.'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12133 - डॉ. सागर खादीवाला

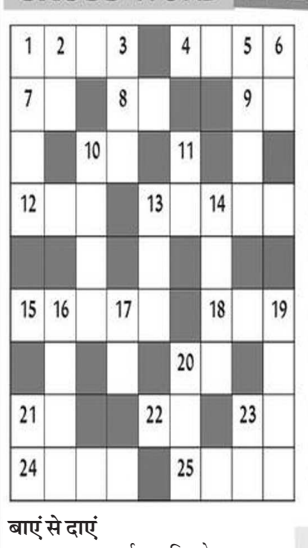

बाएं से दाएं

1. भय आश्चर्य आदि के कारण उत्पन्न स्तब्धता, खलबली 4. जन्म लेना, पैदा होना, उत्पन्न करना 6. पराजय, माला 8. अगर, जो 9. स्वीकृति, हिमायत करने वाला वाला (उर्दू) 10. पुत्र, बेटा 12. हत्यारा, घातक 13. सारे संसार को विजय करने वाला 15. सोने का स्थान या गृह 18 प्रयास, प्रयत्न 20. मूर्छा (उर्दू) 21. होशहवास, अस्तित्व 22. जो देखने में अच्छा न लगे, कुरूप, अश्लील 23. आशा, भरोसा, सहारा, कामना 24. समाचार पत्र का संपादक या लेखक 25. पदार्थों के तत्वों का ज्ञान (केमिकल)

ऊपर से नीचे

1. सहायता करने वाली महिला (सं.) 2. पुरुष जाति का पुरुष 3. आशय, मंशा, इच्छा (उर्दू) 5. बहुत बड़ा राजा, गुरु ब्राम्हणादि के लिए आदरसूचक शब्द 6. नामवाला, प्रसिद्ध 10. जलना, दहकना 11. घोड़ा 13. दोष, बिगाड़ 14. वह ग्रंथ जिसमें संसार के सभी विषयों का विवरण रहता है 16. काठ के बर्तन जो यज्ञ के काम आते हैं (सं.) 17. बिजली, बिजली की कड़क 19. योग में एक प्रकार का आसन 20. देशद्रोही (उर्दू) 21. स्वयं, खुद 23. आमदनी

Solution 12132

मा	र्ग	द	र्श	क		मौ	त
तु		र्द		म	हा	ज	न
ल	ल	ना		ला	ट		
	ल	क	द	क		नि	त
पि	क			र		हा	र
च		क	जा		क	ल	फ
का	ला		य	क्ष			दा
री	ल		का	र	गु	जा	री

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा में अरूचि व व्यवधान होगा, अधिकारी के कोप का सामना करना पड़ेगा, मित्रों से बैचारिक मतभेद रहेगा, वर्ष के मध्य में प्रियजनों के सहयोग से कार्यों में सफलता मिलेगी, शासन सत्ता का लाभ नवीन योजनाओं में पूँजी निवेश होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को यहां सहयोग मिलेगा, सिंह राशि के व्यक्तियोंको निजी क्षेत्र में रूचि रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अधिकारी के आदेश का पालन करना होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को धार्मिक यात्रा होगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को आकस्मिक धन लाभ प्राप्त होने का योग है.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य और गौरवर्ण होगा. दुबला पतला फुर्तीला, होगा. अपने मन की बात दूसरों पर जल्दी प्रकट नहीं करेगा. बुद्धिमान और विवेकी होगा. माता पिता का भक्त होगा. इनके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी. अपने मन की बात दूसरों को व्यक्त नहीं करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

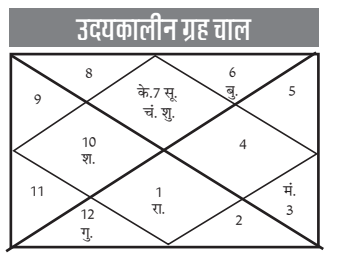

पंचांग

रा.मि. 16 संवत् 2082 माघ कृष्ण तृतीया भौमवासरे दिन 11/18, आश्लेषा नक्षत्रे दिन 3/49, प्रीति योगे रात 12/11, विष्टि करणे सू.उ. 6/45, सू.अ. 5/15, चन्द्रचार कर्क दिन 3/49 से सिंह, पर्व- संकष्टी श्रीगणेश चतुर्थी व्रत, शु.रा. 4, 6, 7, 10, 11, 2 अ.रा. 5, 8, 9, 12, 1, 3 शुभांक- 6, 8, 2.

व्यापार भविष्य

माघ कृष्ण तृतीया को आश्लेषा नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, लोहा, निकल, आदि वस्तुओं में नरमी की चाल चलेगी. सरसों, अरंडी, अलसी, मूँग, मोठ, के भाव में तेजी होगी. जीरा, धनियां, लालमिर्च पूर्ववत रहेंगे. भाग्यांक 1487 है.

मेष- नये संपर्क आपकी तरक्की में सहायक रहेंगे. साथी के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी. व्यापार में प्रगति होगी. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी.

वृषभ- जिम्मेदारी नहीं निभाने से परेशानी हो सकती है. विरोधी आरोप लगाने का प्रयास करेंगे. संतान पक्ष की चिन्ता रहेगी. अनुकूल परिस्थितियों का लाभ मिलेगा.

मिथुन- झूठ बोलकर काम कराने का प्रयास हानिकारक हो सकता है. व्यवसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी. महत्वपूर्ण कार्य बनेंगे. कम परिश्रम से अच्छी सफलता मिलेगी.

कर्क- भाग्योदय के अवसर मिलेंगे. कार्य क्षमता के बल पर अपनी पहिचान बना लेंगे. श्र माता पिता का भक्त सहयोग मिलेगा. मान सम्मान मिलेगा.

सिंह- विरोधियों को मात देने में कामयाब रहेंगे. अटके काम पूरे होंगे. धर्म कर्म के प्रति आस्था रहेगी. नवीन योजनाओं का विकास होगा. परिश्रम अधिक होगा.

कन्या- विवादास्पद मामलों में समझौता करना पड सकता है, रोगी की चिन्ता रहेगी. अतिथि वृश्चिकमन होगा. इष्ट मित्रों का सहयोग मिलेगा.

तुला- अधिकारी आपकी कार्यशैली से नाराज हो सकते है. मित्रों की नाराजगी दुखी कर सकती है. बेरोजगारों को प्रयास करने पर सफलता मिलेगी.

वृश्चिक- अधिकारों के लिये संघर्ष करना पड़ सकता है. वैवाहिक कार्य को लेकर उत्साहित रहेंगे. आर्थिक कार्यो की पूर्ति होगी.धार्मिक कार्य बनने का योग है.

धनु- नये संपक्र संपक्र बीती बातको भूलकर काम में जुट जायें, सफ्ल रहेंगे. अधिक वाक पटुता से काम बिगड़सकता है. पुराने मित्रों का सहयोग रहेगा.

मकर- आपके विचारों से अधिकारी प्रभावित होंगे. प्रतियोगी परीक्षा में सफ्लता के आसार है. अचानक लाभ. पूज्यव्यक्ति की सलाह उपयोगी रहेगी.

कुम्भ- मनचाहा काम मिलने से उत्साह रहेगा. राजकीय कार्य बनाने के आसार हैं. इच्छित कार्य में सफ्लता मिलेगी. किसी अनसोचे कार्य में व्यस्तता रहेगी.

मीन- आपको अपने फैसले से पछताना पड़ सकता है. नये कार्य वृश्चिके बढ़ाने में परेशानी होगी. नौकरी में अधिनस्थ वर्ग के असहयोग से काम बिगड़ सकता है.

SUDOKU 7265

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7264

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1